

# सुशासन की पाठशाला में तैयार हुआ विकसित छत्तीसगढ़ का रोडमैप

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • रायपुर : सुशासन और विकास को लेकर छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने देश के जाने-माने विशेषज्ञों से विचार-विमर्श किया। सुशासन को लेकर लगी पाठशाला में दूसरे दिन विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के रोडमैप पर चर्चा हुई। इसे अंतिम रूप दिया गया और जल्द ही राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में नई योजनाओं के रूप में इसका स्वरूप भी दिखेगा। सरकार एक नवंबर को विजन डॉक्यूमेंट पेश करने वाली है। इसके पहले साय सरकार ने अपने सभी मंत्रियों के लिए विशेष चिंतन शिविर का आयोजन किया। विशेषज्ञों ने मंत्रियों को सुझाव देते हुए कहा कि शासन और प्रबंधन दो

## दूसरे दिन यह हुआ

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आइआइएम), रायपुर में आयोजित शिविर के दूसरे नीति आयोग के पूर्व सीईओ और जी 20 के शेरपा अमिताभ कांत ने मंत्रियों से संवाद किया। सुशासन से रूपांतरण विषय पर बोलते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में विकास की प्रचुर संभावनाएं हैं। यह देश के सबसे खनिज समृद्ध राज्यों में से है। यहां मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर को तेजी से बढ़ावा दें तो बड़ी संख्या में रोजगार सृजन होगा। रणनीति बदलाव पर काम करने से छत्तीसगढ़ में तेजी से आर्थिक प्रगति होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह चिंतन शिविर छत्तीसगढ़ के लिए फायदेमंद साबित होगा।

अलग-अलग शब्द हैं, दो अलग-अलग कार्य हैं, लेकिन एक-दूसरे से जुड़े हुए भी हैं। एक के हिस्से

में नीति के निर्माण का दायित्व है, तो दूसरे के हिस्से में क्रियान्वयन की जिम्मेदारी। भारतीय लोकतांत्रिक

ढांचे में नागरिकों की अपेक्षाओं को पूरा करने की जवाबदेही जहां शासन पर रही, वहीं प्रबंधन की बारीकियों

से जनप्रतिनिधियों का आमतौर पर ज्यादा लेना-देना नहीं रहा, लेकिन छत्तीसगढ़ में इस तरह मंत्रियों के

चिंतन शिविर में ऐसा नया घटित हुआ कि अब इस विचित्र विडंबना का अंत होता दिख रहा है।

• योजनाओं में दिखेगा असर, एक नवंबर को जारी होगा विजन डॉक्यूमेंट

• रणनीति बदलाव पर काम करने से होगी प्रगति: अमिताभ कांत



शिविर के अंतिम दिन शनिवार को अमिताभ कांत ने मंत्रियों से चर्चा की। • नईदुनिया

## दो दिन तक चला चिंतन शिविर

विष्णुदेव साय सरकार की पहल पर ही आइआइएम ने इस बौद्धिक अनुप्रयोग का आयोजन किया था। इसमें गुड गवर्नंस से बेस्ट गवर्नंस की ओर बढ़ने और सुशासन की संकल्पना को मूर्त रूप देते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए सरकार के विजन को और तीक्ष्ण करने के संबंध में विषय-विशेषज्ञों से मंत्रियों ने विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री और उनके सहयोगी लगातार दो दिनों तक आइआइएम की कक्षा में न केवल उपस्थित रहे, बल्कि छात्र जीवन को अपनाए भी रखा है। मुख्यमंत्री समेत अन्य मंत्रियों ने चिंतन शिविर के दूसरे दिन आइआइएम परिसर का भ्रमण किया। मंत्रियों की ओर से भी इस चिंतन शिविर में अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया गया।